राजकीय महाविद्यालय बंजार में सात दिवसीय एनएसएस कैंप का

राजकीय महाविद्यालय बंजार में सात दिवसीय एनएसएस कैंप का शुभारंभ कॉलेज प्राचार्या श्री मती नीरज कपूर के द्वारा मां सरस्वती दीप प्रज्वलित करके किया गया। इसके पश्चात सव्यमसेवियो ने एनएसएस गीत गा कर कार्यक्रम को आगे बढ़ाया। कार्यक्रम की मुख्य अथिति कॉलेज प्राचार्या नीरज कपूर ने स्वयं सेवकों को राष्ट्रप्रेम, देशभक्ति व समाज सेवा की भावना जागृत करने का संदेश दिया।उन्होंने कहा की एनएसएस से अनुशासन ,सत्य निष्ठा व कर्तव्य परायणता जैसे गुणों का विकास होता है। राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी प्रो मोनिका ने इस वर्ष कैंप की थीम " शिक्षित युवा आत्मनिर्भर भारत" के विषय में जानकारी देते हुए युवाओं में शिक्षा के महत्व पर अपने विचार सांझा किए। उन्होंने बताया कि इस सात दिवसीय कैंप में एनएसएस स्वयंसेवी अनुशासन और देशभक्ति की भावना के साथ ही साथ लगते गांव में साफ सफाई, पौधा रोपण विभिन्न सामाजिक विषयों को ले कर जन जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे। प्राचार्या महोदया ने सभी स्वामसेवियो को शुभकामनाएं दी।

प्रो मोनिका ने बताया की यह कार्यक्रम 8 फरवरी से लेकर 14 फरवरी तक चलेगा और विभिन्न क्षेत्र के शिक्षाविद आ कर विद्यार्थियो का मार्गदर्शन करेंगे।इस अवसर पर प्रोफेसर ज्योति बाला व प्रोफेसर विकास कुमार मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

एन.एस.एस. से होता है अनुशासन, सत्यनिष्ठा जैसे गुणों का विकास : नीरज

राजकीय महाविद्यालय बंजार में 7 दिवसीय एन.एस.एस. कैंप का शुभारंभ

बंजार, 8 फरवरी (ब्यूरो): राजकीय महाविद्यालय बंजार में 7 दिवसीय एन.एस.एस. कैंप का शुभारंभ कालेज प्राचार्य नीरज कपूर ने किया।

उन्होंने स्वयंसेवकों को राष्ट्र प्रेम, देशभक्ति व समाज सेवा की भावना जागृत करने का संदेश दिया तथा कहा कि एन.एस.एस. से अनुशासन, सत्यनिष्ठा व कर्त्तव्य परायणता जैसे गुणों का विकास होता है। राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी प्रो. मोनिका ने इस वर्ष कैंप की थीम शिक्षित युवा आत्मनिर्भर भारत के विषय में जानकारी देते हुए युवाओं में शिक्षा के महत्व पर अपने विचार सांझा किए।

विभिन्न शिक्षाविद करेंगे मार्गदर्शन

प्रो. मोनिका ने बताया कि इस 7 दिवसीय कैंप में एन.एस.एस. स्वयंसेवी साथ लगते गांव में साफ-सफाई, पौधारोपण, विभिन्न सामाजिक विषयों को लेकर जन जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम 14 फरवरी तक चलेगा और विभिन्न क्षेत्र के शिक्षाविद विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करेंगे। इस अवसर पर प्रोफैसर ज्योति बाला व विकास कुमार मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

स्वा*मसेवियों ने किया बालागड़ पंचायत क्षेत्र की सफाई और जाना अपने संविधान को।*

शिविर के दूसरा दिन दैनिक कार्यक्रम प्रभात फेरी के साथ शुरू हुआ।कार्यक्रम अधिकारी प्रो मोनिका ने बताया की सभी स्वयंसेवियो ने कॉलेज के साथ लगते बालागड पंचायत क्षेत्र का वार्ड नं 3 की सफाई की। प्रो मोनिका ने बताया की पंचायत प्रधान श्री मती चंद्रा देवी और वार्ड नं 3 की पंच श्री मती पूजा देवी भी इस दौरान पूरे कार्यक्रम में साथ रही और अपना सम्पूर्ण सहयोग दे कर दोनो ने स्वयमसेवियो का उत्साह वर्धन किया। शिविर में कार्यक्रम के शैक्षणिक सत्र को राजनीतिक विभाग के प्रमुख प्रो दूनी चंद राणा जी ने लिया। उनका विषय था "भारत का संविधान"। कार्यक्रम अधिकारी प्रो मोनिका ने सबसे पहले पुष्प गुच्छ दे कर प्रो दूनी चंद जी का कार्यक्रम में आने पर स्वागत किया।सभी सव्यमसेवियों ने प्रो दूनी चंद को बहुत ध्यान से सुना।उन्होंने बताया की संविधान को बनाने में किस प्रकार से 2वर्ष 11 महीने 18 दिन का समय लगा। यह 26 नवम्बर 1949 को पारित हुआ तथा 26 जनवरी 1950 से प्रभावी हुआ। यह दिन (26 नवम्बर) भारत के संविधान दिवस के रूप में घोषित किया गया है | जबकि 26 जनवरी का दिन भारत में गणतन्त्र दिवस के रूप में मनाया जाता है। भारतीय संविधान के प्रस्तावना के अनुसार भारत एक सम्प्रुभतासम्पन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक, गणराज्य है इन सभी विषयों पर उन्होंने प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने सव्यमसेवियो को आत्मनिर्भर भारत और और युवाओं में रोजगार के ऊपर भी अपने विचार सांझा किए और विद्यार्थियो का मार्ग दर्शन किया। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी प्रो मोनिका ने कार्यक्रम के मुख्यवक्ता प्रो दूनी चंद राणा जी का "संविधान को जाने" कार्यक्रम में आने व सभी स्वयमसेवियो को जागरूक करने और उनका मार्गदर्शन करने के लिए धन्यवाद किया।

स्वयंसेवियों ने बालागड़ के वार्ड 3 में की सफाई

प्रो. दुनी चंद राणा ने संविधान बारे दी जानकारी

बंजार, 9 फरवरी (ब्यूरो): बंजार महाविद्यालय में एन.एस.एस. शिविर में दूसरे दिन दैनिक कार्यक्रम प्रभात फेरी के साथ शुरू हुआ।

कार्यक्रम अधिकारी प्रो. मोनिका ने बताया कि सभी स्वयंसेवियों ने कालेज के साथ लगते बालागड़ पंचायत क्षेत्र के वार्ड नंबर 3 की सफाई की।

पंचायत प्रधान चंद्रा देवी और वार्ड नंबर 3 की पंच पूजा देवी भी इस दौरान साथ रहीं और अपना संपूर्ण सहयोग देकर दोनों ने स्वयंसेवियों का उत्साहवर्धन किया। शिविर में कार्यक्रम के शैक्षणिक सत्र को राजनीतिक विभाग के प्रमुख प्रो. दुनी चंद राणा ने लिया। उनका विषय था भारत का संविधान। प्रो. मोनिका ने उनका स्वागत किया।

बंजार : बालागड़ पंचायत के वार्ड नंबर 3 में सफाई करने के बाद कार्यक्रम अधिकारी, पंचायत प्रतिनिधि व स्वयंसेवी सामूहिक चित्र में। (ब्यूरो)

दुनी चंद राणा ने बताया कि संविधान को बनाने में किस प्रकार से 2 वर्ष 11 महीने 18 दिन का समय लगा। यह 26 नवम्बर, 1949 को पारित हुआ तथा 26 जनवरी, 1950 से प्रभावी हुआ।

26 नवम्बर का दिन भारत के संविधान दिवस के रूप में घोषित किया गया है, जबकि 26 जनवरी का दिन भारत में गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने स्वयंसेवियों को आत्मनिर्भर भारत व रोजगार पर अपने विचार सांझा किए और विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।

एनएसएस स्वयंसेवियों ने संवारा बंजार का बलागाड़

बंजार (कुल्लू)। बंजार कॉलेज में एनएसएस शिविर का दूसरा दिन दैनिक कार्यक्रम में प्रभातफेरी के साथ शुरू हुआ।

स्वयंसेवियों ने कॉलेज के साथ लगते बलागाड़ में भी सफाई की। कार्यक्रम अधिकारी प्रो. मोनिका ने बताया शिविर में शैक्षणिक सत्र राजनीतिक विभाग के प्रमुख प्रो. दूनी चंद राणा ने लिया। इसके चलते उन्होंने स्वयंसेवियों को बताया कि संविधान को बनाने में 2 वर्ष 11 महीने 18 दिन का समय लगा था।

यह 26 नवंबर 1949 को पारित हुआ और 26 जनवरी 1950 से प्रभावी हुआ। इस अवसर पर अन्य प्रोफेसर भी उपस्थित रहे। संवाद

बंजार कॉलेज एनएसएस के स्वयंसेवी सफाई अभियान के दौरान। - संवाद

राष्ट्रपति पुरुस्कार विजेता सुमित ने जगाई स्वयंसेवियों में समाज सेवा की अलख।

राजकीय महाविद्यालय बंजार में शिविर के तीसरे दिन राष्ट्रपति पुरुस्कार विजेता श्री सुमित ठाकुर व जिला कुल्लू के एनएसएस नोडल ऑफिसर ने शिरकत की उनके साथ ही स्थानीय स्वयंसेवी रमेश जी और पनारसा से ज्योति जी ने शिरकत की। आए हु ए सभी अतिथियों का कार्यक्रम अधिकारी प्रो मोनिका ने एनएसएस कैप और पुष्पगुच्छ दे कर स्वागत किया।नोडल ऑफिसर प्रो खेम चंद जी ने स्वयंसेवियों को उनके कार्यो व समाज सेवा में उनके योगदान के विषय में बताया कैसे एक स्वयंसेवी को 120 घंटे एक वर्ष में सामाजिक कार्यों में लगाने अनिवार्य है। उन्होंने भिविन्न कैंपों के विषय में सभी को अवगत करवाया । उन्होंने बताया की किस प्रकार एनएसएस विद्यार्थियो में छिपी हुई प्रतिभा को बाहर आने में सहायक है। एनएसएस एक निस्वार्थ कार्य क्षेत्र है जहा कार्य केवल समाज के लिए हो तभी एनएसएस का मोटो रखा गया " स्वयं से पहले आप" । उन्होंने एनएसएस के अपने पुराने दिनों को याद किया और अपना अनुभव विधार्थियो के साथ सांझा किए साथ ही उन्होंने एनएसएस बंजार यूनिट के द्वारा किए जा रहे कार्यों को सराहना की। इसके पश्चात श्री सुमित ठाकुर स्वयंसेवको से रूबरू हु ए उनके वक्तव्य का मुख्य विषय " व्यक्तित्व का विकास" था। किस प्रकार एक छोटे से गांव का लड़का राष्ट्रपति पुरस्कार तक पहुंचा और किसी के लिए ये असंभव नहीं है अगर मेहनत की जाय तो। 2013 से वो एनएसएस से जुड़े और वाणिज्य विभाग को अपनाया उसके बाद एनएसएस दिल्ली परेड के लिए उनकी चयन प्रक्रिया और साथ ही आने वाली परेशानियां, किस प्रकार आने वाली कठिनाइयों ने उनके इरादों को मजबूत बनाया वो सब अनुभव उन्होंने स्वयंसेवको के साथ बांटे। दो बार स्कूल स्तर पर चयन न होना और दोबारा मेहनत से तीसरी बार महाविद्यालय के स्तर पर अपने लक्ष्य को प्राप्त करना इस सारे व्याख्यान को उन्होंने स्वयंसेवको एक पंक्ति में बताया कि "मेहनत करने वालो की कभी हार नही होती"।उन्होंने स्वयंसेवको में समाज सेवा, रक्त दान, आपातकालीन सहायता के लिए जोश भरा। उनके द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रम "युवा" यूथ फॉर वॉलंटरी एक्शन इन हिमाचल और साथ ही कोविड काल में "कोरोवेयर" कार्यक्रम के विषय में स्वयंसेवको को बताया की किस प्रकार इस दौरान लोगो को मास्क बांटे, घर घर जा कर छोटे विधार्थियो को पढ़ाया। कार्यक्रम अधिकारी प्रो मोनिका ने बताया की अपने बीच श्री सुमित ठाकुर को पा कर सव्यमसेवियों का बहु त उत्साह सातवें आसमान में था उन्होंने नोडल ऑफिसर प्रो खेम चंद श्री सुमित जी, रमेश, ज्योति प्रकाश सभी का शिविर को समय देने और महाविद्यालय आने पर विशेष रूप से धन्यवाद दिया। महाविद्यालय के प्रो अशोक,प्रो ज्योति, प्रो विकास भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता सुमित ने जगाई समाज सेवा की अलख

राजकीय महाविद्यालय बंजार में बताया कैसे करें व्यक्तित्व का विकास

बंजार, 10 फरवरी (ब्यूरो): राजकीय महाविद्यालय बंजार में एन.एस.एस. शिविर के तीसरे दिन राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता सुमित ठाकुर व जिला कुल्लू के एन.एस.एस. नोडल आफिसर प्रो. खेम चंद, स्वयंसेवी रमेश, पनास्सा से ज्योति प्रकाश ने शिरकत की। कार्यक्रम अधिकारी प्रो. मोनिका व प्रो. खेम चंद ने स्वयंसेवियों को उनके कार्यों व समाज सेवा में उनके योगदान के विषय में बताया कि कैसे एक स्वयंसेवी को 120 घंटे एक वर्ष में सामाजिक कार्यों में लगाने अनिवार्य हैं। उन्होंने विभिन्न कैंपों के विषय में सभी को अवगत करवाया।

किस प्रकार एन.एस.एस. विद्यार्थियों में छिपी हुई प्रतिभा को बाहर आने में सहायक है। एन.एस.एस. एक निःस्वार्थ कार्य क्षेत्र है जहां कार्य केवल समाज के लिए हो। तभी एन.एस.एस. का मोटो स्वयं से पहले आप रखा गया है। उन्होंने एन.एस.एस. के अपने पुराने दिनों को याद किया और अपना अनुभव विद्यार्थियों के साथ सांझा किया। सुमित ठाकुर स्वयंसेवकों से रू-ब-रू हुए। उनके वक्तव्य का मुख्य विषय व्यक्तित्व का विकास था।

उन्होंने कहा कि 2013 से वह एन.एस.एस. से जुड़े और वाणिज्य विभाग को अपनाया। उसके बाद एन.एस.एस. दिल्ली परेड के लिए उनकी चयन प्रक्रिया और किस प्रकार आने वाली कठिनाइयों ने उनके इरादों को मजबूत बनाया वे सभी अनुभव उन्होंने स्वयंसेवकों के साथ बांटे।

उन्होंने कार्यक्रम युवा यूथ फार वालंटरी एक्शन इन हिमाचल के बारे में स्वयंसेवकों को बताया।

स्वयंसेवियों को दी समाज सेवा की जानकारी

बंजार (कुल्लू)। राजकीय महाविद्यालय बंजार में एनएसएस शिविर में वीरवार को सुमित ठाकुर बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए। एनएसएस नोडल अधिकारी विशेष रूप से उपस्थित हुए। सुमित ठाकुर ने कहा कि एनएसएस एक निस्वार्थ कार्य क्षेत्र है, जहां कार्य केवल समाज के लिए किए जाते हैं। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी प्रो. मोनिका, प्रो. अशोक प्रो. ज्योति, प्रो. विकास मौजूद रहे। संवाद

एनएसएस शिविर के चौथे दिन एनएसएस सव्यमसेवियों ने 120 वृक्ष वन क्षेत्र में लगाएं

एनएसएस शिविर के चौथे दिन एनएसएस सव्यमसेवियों ने 120 वृक्ष वन क्षेत्र में लगाएं। कार्यक्रम अधिकारी प्रो मोनिका ने बताया की कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बंजार विधायक श्री सुरेन्द्र शौरी जी ने शिरकत की उन्होंने स्वयंसेवियों के साथ वृक्षारोपण किया और उनका उत्साह और जोश बढ़ाया। विधायक महोदया ने हाथ से हाथ मिला कर स्वयं वृक्षारोपण का कार्य संपन्न करवाया और समाजसेवी होने का परिचय दिया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने स्वयंसेवियों को समाज के बीच रहकर कार्य करने और सामाजिक कठिनाइयों से रुबरू करवाया। उन्होंने आज के ज्वलंत मुद्दे कॉविड, क्षेत्र को नशा मुक्ति, कूड़े कचरे का सही निदान, आत्मनिर्भर भारत के विषय में भी अपनी बात रखी। इतने युवा स्वयंसेवियों को एकसाथ देख कर उन्होंने कहा की अगर आप सभी ऐसे ही समाज के प्रति प्रेम और तत्परता दिखाए तो वो दिन दूर नही जब भारत विश्व में सबसे आगे निकलेगा। क्योंकि युवा ही देश की रीढ़ होती है। साथ ही उन्होंने युवाओं को प्रेरित किया वृक्षारोपण के लिए और बताया की जो पौधा वो आज लगा रहे है वो कल उनको और उनकी आने वाली पीढ़ियों को अपना फल देने के साथ उन्हे स्वस्थ जीवन देगा । कार्य बेशक छोटा लग रहा हो परंतु इसका परिणाम फलदायक है समूर्ण समाज इससे लाभांवित होगा।

दिन के शैक्षणिक सत्र में ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क से श्री गोविंद जी इको टूरिज्म फसिल्टैटर, वन रक्षक ओम प्रकाश जी, वन रक्षक खिला जी ने शिरकत की। गोविंद जी ने स्वयंसेवियों को ग्रेट हिमालन नेशनल पार्क में मिलने वाली विभिन्न प्रजातियों के विषय में बताया की किस प्रकार इसे यूनेस्को से मान्यता मिली और किस प्रकार ये 2014 में वैश्विक धरोहर बनी। राष्ट्रीय उद्यान में किस प्रकार सैलानियों को भ्रमण करवाया जाता। जंगली पशु/ पक्षियों की सुरक्षा और समाज में उनका महत्त्व बताया। इसके बाद ओम प्रकाश जी ने विभिन्न प्रकार के पक्षियों और उनकी प्रजातियों से स्वयंसेवियों को अवगत करवाया। उन्होंने बताया की किस प्रकार हर पक्षी विभिन्न गुणों से संपन्न है। किस प्रकार वो पर्यावरण को स्वच्छ रखते है और प्रकृति के निमार्ण में अपनी भूमिका निभाते है।

कार्यक्रम अधिकारी प्रो मोनिका ने सभी का इतनी विशेष जानकारी के लिए धन्यवाद दिया और कहा की भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम होते रहे ताकि युवाओं को प्रकृति के साथ साथ रोजगार के अवसर भी प्राप्त हो। गोविंद जी ने प्राचार्या महोदया, प्रो मोनिका, प्रो ज्योति व प्रो विकास कुमार को ग्रेट हिमालय नेशनल पार्क के स्मृति चिन्ह भेंट किए साथ ही सभी स्वयंसेवियों को नव वर्ष के कैलेंडर और डायरी भेंट की।

शनिवार SATURDAY 12 फरवरी 2022

बंजार में स्वयंसेवियों को बताया प्रकृति और जीवों का महत्व

ग्रेट हिमालयन नैशनल पार्क के अधिकारियों ने दी जानकारी

बंजार, 11 फरवरी (व्यूरो): बंजार महाविद्यालय में एन.एस.एस. शिविर के चौथे दिन स्वयंसेवियों ने 120 पौधे वन क्षेत्र में लगाए। कार्यक्रम अधिकारी प्रो. मोनिका ने बताया कि कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि विधायक सुरेंद्र शौरी ने शिरकत की। उन्होंने स्वयंसेवियों के साथ पौधारोपण किया और उनका उत्साह और जोश बढ़ाया। उन्होंने स्वयंसेवियों को समाजसेवी होने का परिचय दिया। वहीं, समाज के बीच रहकर कार्य करने और सामाजिक कठिनाइयों से रू-ब-रू करवाया।

उन्होंने आज के ज्वलंत मुद्दे कोविड, क्षेत्र को नशा मुक्ति, कूड़े-कचरे का सही निदान, आत्मनिर्भर भारत के विषय में भी अपनी बात रखी। वहीं, शैक्षणिक सत्र में ग्रेट हिमालयन नैशनल पार्क से ईको टूरिज्म फैसिलिटेटर गोविंद, वन रक्षक ओम प्रकाश व वन रक्षक खिला ने शिरकत की।

गोविंद ने स्वयंसेवियों को ग्रेट हिमालयन नैशनल पार्क में मिलने वाली विभिन्न प्रजातियों के विषय में बताया कि किस प्रकार इसे यूनैस्को से मान्यता मिली और किस प्रकार यह 2014 में वैश्विक धरोहर बनी तथा राष्ट्रीय उद्यान में किस प्रकार सैलानियों को भ्रमण करवाया जाता है।

उन्होंने जंगली पशु, पक्षियों की सुरक्षा और समाज में उनका महत्व बताया। ओम प्रकाश ने विभिन्न प्रकार के पक्षियों और उनकी प्रजातियों से स्वयंसेवियों को अवगत करवाया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार हर पक्षी विभिन्न गुणों से संपन्न है, वे किस प्रकार वे पर्यावरण को स्वच्छ रखते हैं और प्रकृति के निर्माण में अपनी भूमिका निभाते हैं। गोविंद ने प्राचार्या, प्रो. मोनिका, ज्योति व विकास कुमार को ग्रेट हिमालयन नैशनल पार्क के स्मृति चिन्ह भेंट किए, साथ ही सभी स्वयंसेवियों को नववर्ष के कैलेंडर और डायरी भी भेंट की।

कुल्लू : ग्रेट हिमालयन नैशनल पार्क के अधिकारियों के साथ स्वयंसेवी सामूहिक चित्र में। (व्यूरो)

विधायक ने स्वयंसेवियों के साथ रोपे पौधे

बंजार (कुल्लू)। महाविद्यालय बंजार में एनएसएस शिविर चल रहा है। शिविर के चौथे दिन स्वयंसेवियों ने करीब 120 पौधे रोपे। स्थानीय विधायक सुरेंद्र शौरी ने भी स्वयंसेवियों के साथ मिलकर पौधरोपण किया। कार्यक्रम अधिकारी प्रो. मोनिका ने कहा कि पौधरोपण कार्यक्रम में विधायक सुरेंद्र शौरी ने शिरकत की। इस दौरान वनरक्षक ओम प्रकाश, खिला, प्रो. ज्योति, प्रो. विकास कुमार आदि उपस्थित रहे। संवाद

शारदा भारत गैस एजेंसी बंजार के द्वारा स्वयंसेवियों को बताए गए घरेलू गैस के उपयोग एवम् बचाव के तरीके साथ ही गोद लिए गांव बलागढ़ में की साफ सफाई और प्राकृतिक जल स्त्रोत को किया साफ।

राजकीय महाविद्यालय बंजार में एनएसएस शिविर के छठे दिवस स्वयंसेवियों ने गोद लिए हुए गांव बलागढ़ के मुख्य मंदिर और उसके आस पास के क्षेत्र की साफ सफाई की। मंदिर की सीढ़ियों को और वहां बैठने के स्थान को उन्होंने साफ किया। मंदिर के पास स्थित प्राकृतिक जल स्त्रोत की साफ सफाई की। प्रो मोनिका ने बताया की प्राकृतिक जल स्त्रोतों का जीवन में बहुत महत्व है और आने वाले समय में इनकी आवश्यकता और रख रखाव बहुत महत्वपूर्ण है। साथ ही स्वयंसेवियों ने कॉलेज के प्रांगण को भी साफ किया उन्होंने सुखी और कंटीली झाड़ियों को रास्ते से हटाया, सुखी घास से क्षेत्र को साफ किया।

शारदा भारत गैस एजेंसी बंजार से जगदीश जी, डूर सिंह जी व अभिषेक जी के द्वारा स्वयंसेवियो को घरेलू गैस के उपयोग एवम् बचाव के तरीके बताए गए। उन्होंने बताया कि किस प्रकार गैस लीक हो तो घबराना नहीं संयम रख कर रेगुलेटर को बंद करना है। और सिलेंडर अगर आग पकड़ ले तो बुद्धिमता का परिचय देते हुए कॉटन या सूत के कपड़े को गीला करके सिलेंडर के ऊपर डाल कर ढक देना है ताकि आग शांत हो जाए और बड़ी दुर्घटना टल जाए। साथ ही उन्होंने घरेलू गैस के उपयोग के वक्त आने वाली छोटी छोटी समस्याओं और उनके निदान से अवगत करवाया। कार्यक्रम अधिकारी प्रो मोनिका ने शारदा गैस एजेंसी का आभार प्रकट किया की उन्होंने आज की प्रमुख जरूरत सबके घरों में उपयोग होने वाली गैस जिसका आज के जीवन में बहुत महत्व है उसके विषय में अवगत करवाया।कार्यक्रम में प्रो ज्योति बाला व प्रो विकास कुमार मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

स्वयंसेवियों को बताए घरेलू गैस उपयोग एवं बचाव के तरीके

बंजार : सफाई अभियान के बाद सामूहिक चित्र में एन.एस.एस. स्वयंसेवी। (ब्यूरो)

गोद लिए गांव बलागाड़ में की साफ-सफाई

बंजार, 13 फरवरी (ब्यूरो): राजकीय महाविद्यालय बंजार में एन.एस.एस. शिविर के छठे दिन स्वयंसेवियों ने गोद लिए हुए गांव बलागाड़ के मुख्य मंदिर और उसके आसपास के क्षेत्र की साफ-सफाई की। स्वयंसेवियों ने मंदिर के पास स्थित प्राकृतिक जल स्रोत की भी साफ-सफाई की।

प्रो. मोनिका ने बताया कि प्राकृतिक जल स्रोतों का जीवन में बहुत महत्व है और आने वाले समय में इनकी आवश्यकता और रखरखाव बहुत महत्वपूर्ण है। वहीं, स्वयंसेवियों ने कालेज के प्रांगण को भी साफ किया।

शैक्षणिक सत्र में शारदा भारत गैस एजैंसी बंजार से जगदीश, डूर सिंह व अभिषेक द्वारा स्वयंसेवियों को घरेलू गैस के उपयोग एवं बचाव के तरीके बताए गए। उन्होंने बताया कि किस प्रकार गैस लीक हो तो घबराना नहीं, संयम रख कर रैगुलेटर को बंद करना है और सिलैंडर अगर आग पकड़ ले तो बुद्धिमता का परिचय देते हुए कॉटन या सूत के कपड़े को गीला करके सिलैंडर के ऊपर डाल कर ढक देना है, ताकि आग शांत हो जाए और बड़ी दुर्घटना टल जाए।

उन्होंने घरेलू गैस के उपयोग के वक्त आने वाली छोटी-छोटी समस्याओं और उनके निदान से अवगत करवाया। कार्यक्रम में प्रो. ज्योति बाला व विकास कुमार मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

सैंज में 7 दिवसीय एन.एस.एस. शिविर शुरू

स्वयंसेवी स्थानीय लोगों के साथ मिलकर सफाई, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण को लेकर करेंगे कार्य

सैंज (बुद्धि सिंह): राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सैंज में 7 दिवसीय शिविर का शुभारंभ किया गया।

शिविर में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय शैंशर के प्रधानाचार्य राजेंद्र चौहान ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। स्वयंसेवियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आज समाज में जिस तरह से सामाजिक कुरीतियां विद्यमान हैं उन्हें दूर करने के लिए युवाओं को आगे आने की आवश्यकता है, जिसके लिए एन.एस.एस. एक सशक्त माध्यम है।

एन.एस.एस. के कार्यक्रम अधिकारी सुभाष भारद्वाज ने बताया कि 7 दिवसीय शिविर में सैंज स्कूल के 56 स्वयंसेवी

सैंज : एन.एस.एस. स्वयंसेवी पौधारोपण करते हुए। (बुद्धि सिंह)

भाग ले रहे हैं जो इस शिविर के दौरान गोद लिए गांव लोअर सैंज में श्रमदान करेंगे।

वहीं, स्वयंसेवी स्थानीय लोगों के साथ मिलकर सफाई, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण तथा सामाजिक उत्थान जैसे विषयों को लेकर जन जागरण अभियान भी चलाएंगे। शिविर के दौरान शैक्षणिक सत्र का भी आयोजन किया जाएगा जिसमें विभिन्न विभागों से संबंधित विषय विशेषज्ञ स्वयंसेवियों को महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान करेंगे।

स्थानीय विद्यालय के प्रधानाचार्य फतेह सिंह ठाकुर ने कहा कि इस तरह के शिविरों का उद्देश्य युवाओं में सेवा व समर्पण का भाव पैदा करना है।

स्वयंसेवियों ने संवारा बलागाड़ गांव

बंजार (कुल्लू)। राजकीय महाविद्यालय बंजार में एनएसएस शिविर के छठे दिन स्वयंसेवियों ने गोद लिए बलागाड़ गांव के मुख्य मंदिर परिसर को संवारा है और आसपास के क्षेत्र की साफ-सफाई की।

इस दौरान मंदिर के पास स्थित प्राकृतिक जल स्रोत को भी संवारा गया है। प्रो. मोनिका ने बताया कि प्राकृतिक जल स्रोतों का जीवन में बहुत महत्व है। शिविर में शारदा भारत गैस एजेंसी बंजार के जगदीश, डूर सिंह और अभिषेक ने स्वयंसेवियो को घरेलू गैस के उपयोग के तरीके बताए। उन्होंने बताया कि अगर गैस लीक हो जाती है, तो घबराना नहीं बल्कि संयम रखकर रेगुलेटर को बंद करना चाहिए। इस अवसर पर प्रो. ज्योति बाला और प्रो. विकास कुमार मुख्य रूप से मौजूद रहे। संवाद

नशा मुक्ति के संदेश के साथ हुआ एनएसएस के सात दिवसीय शिविर का समापन।

एनएसएस के सात दिवसीय शिविर का आज सफलतापूर्वक समापन किया गया। स्वयंसेवी उज्जवल ने मंच संचालन किया। प्रोग्राम ऑफिसर प्रो मोनिका ने रिहैब्लिस्टेशन सेंटर फॉर एडिक्ट "गुंजन संस्था" मोहल के प्रोजेक्ट डायरेक्टर श्री संदीप मनहास व साइकोलॉजिस्ट एंड काउंसलर सुश्री दिव्या वर्मा का एनएसएस कैप व बेज लगा कर स्वागत किया।

रिहैब्लिस्टेशन सेंटर फॉर एडिक्ट "गुंजन संस्था" मोहल ने आज एनएसएस के सात दिवसीय शिविर के समापन समारोह में शिरकित की। एनएसएस स्वयंसेवियों के साथ ही कॉलेज एनसीसी व दूसरे लगभग 125 छात्र छात्राओं ने भाग लिया। संदीप जी ने बताया की नशे को युवा हल्के में ना ले। नशे का जीवन में बहुत बुरे प्रभाव पड़ते है। नशे से कई बीमारियां होती है जिनमे मुख्य रूप से

अल्जाइमर, डिमेंशिया इत्यादि है। नशे ने कईयों के घर उजाडे है। नशा ज्यादातर सबसे युवा लोगो को अपनी पकड़ में लेता है। भांग, कोकेन, चिट्टा इत्यादि ये नशे के विभिन्न रूप है।नशे का एक कुप्रभाव याददाश खो जाना भी है। नशा व्यक्ति के सोचने समझने की शक्ति समाप्त कर देता है और व्यक्ति को अपने वश में कर लेता है।अल्जाइमर पढ़ने लिखने वाले व्यक्ति के दिमाग को बहुत ज्यादा प्रभावित करता है। नशे की शुरुआत में हो सकता है कुछ बदलाव न हो परंतु वो आने वाले समय में भयंकर परिणाम ला सकता है। आगे उन्होंने बताया कि चिट्टा आज का अमूमन पाया जाने वाला नशे का पदार्थ बन गया है। ज्यादातर लोग इसका शिकार हो रहे है और अपनी जान तक गवां रहे है। नशे में वाहन कभी नही चलाना चाहिए।

आजकल वैवाहिक जीवन भी नशे की वजह से समाप्त हो रहे है। लोगो में लड़ाई की वजह भी नशा बनता जा रहा है। नशे वाला व्यक्ति अकेलेपन का शिकार होता जाता है और बाद में वो आहिस्ता आहिस्ता अपने आप को समाज से अलग कर लेता है। नशे से पीड़ित व्यक्ति अपने घरवालों के लिए भी हानिकारक हो जाते है वो उन पर प्रहार करने से भी नही चूकते है। जिन घरों में नशे का सेवन होता है वहां के लोग बच्चों को इस आदत को तोहफे में देते है उस घर के बच्चे जल्दी इस आदत में पड़ते है जाने अंजाने में वो इसके आदी हो जाते है। आगे उन्होंने बताया की धूम्रपान के दो तरीके होते है एक्टिव स्मोकिंग, पैसिव स्मोकिंग। एक्टिव जिसका सेवन सीधे तोर पर किया जाता है। पैसिव स्मोकिंग जिसका सेवन दूसरों के सेवन से जो धुआं हम अंदर लेते है वो होता है जो ज्यादा नुकसानदेह होता है। तो इस प्रकार से लगभग सभी लोग इस बीमारी के शिकार है।

साइकोलॉजिस्ट एंड काउंसलर सुश्री दिव्या वर्मा ने स्वयंसेवियों को बताया कि किस प्रकार से नशा निवारण केंद्र में रोगियों का उपचार किया जाता है। उन्होंने बताया की इसके तीन चरण होते है सबसे पहले वह रोगी को डाइटॉक्सिफिकेश करते है यानी विषाक्त पदार्थों को शरीर हटाने की प्रक्रिया। फिर रोगी की काउंसलिंग यानी व्यक्तिगत समस्याओं एवं कठिनाइयों को दूर करने के लिये दी जाने वाली सहायता, सलाह और मार्गदर्शन या परामर्श दिया जाता है। उसकी समस्याओं को सुना जाता है उसे समझाया जाता है। उसके पश्चात रोगी व्यक्ति के सम्पूर्ण परिवार की काउंसलिंग की जाती है।फैमिली काउंसलिंग में संपूर्ण परिवार को उस नशा पीड़ित व्यक्ति का साथ देने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। ताकि परिवार पुरानी बातें भूल कर उसको आगे सफल जीवन जीने के लिए प्रेरित करे। उसे पुराना समय याद न दिलाए या उसने हीन भावना न आने दे।

नशा करने वाला धीरे धीरे अपने परिवार का भयादोहन करने लगता है। कार्यक्रम अधिकारी प्रो मोनिका ने संदीप जी व दिव्या जी को इतनी अहम जानकारी स्वयंसेवियों के मध्य रखने का धन्यवाद दिया साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों और स्वयंसेवियों से आग्रह किया की यदि उनके आस पास कोई भी व्यक्ति नशे का सेवन करता हो तो इन सभी बीमारियों से मुक्ति व उसके सफल सुरक्षित जीवन के लिए मोहल में स्थित नशा निवारण केंद्र में एडमिट करवाए और सरकार के द्वारा दी जा रही मुफ्त सुविधा का लाभ ले। समापन समारोह में उन्होंने प्रो ज्योति बाला व प्रो विकास कुमार का विशेष रूप से धन्यवाद किया।

स्वयंसेवियों को दिया नशा मुक्ति का संदेश

बंजार महाविद्यालय में एन.एस.एस. शिविर संपन्न

बंजार, 14 फरवरी (ब्यूरो) : बंजार महाविद्यालय में एन.एस.एस. के 7 दिवसीय शिविर का सोमवार को सफलतापूर्वक समापन किया गया। स्वयंसेवी उज्ज्वल ने मंच संचालन किया। समापन अवसर पर रिहैब्लिएशन सैंटर फॉर एडिक्ट गुंजन संस्था मौहल के पदाधिकारियों ने शिरकत की।

कार्यक्रम अधिकारी प्रो. मोनिका ने संस्था के प्रोजैक्ट डायरैक्टर संदीप मिन्हास व साइकोलॉजिस्ट एंड काऊंसलर दिव्या वर्मा का स्वागत किया। कार्यक्रम में 125 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। संदीप ने बताया कि नशे को युवा हल्के में न लें, नशे के जीवन में बहुत बुरे प्रभाव पड़ते हैं तथा इससे कई बीमारियां होती हैं जिनमें मुख्य रूप से अल्जाइमर व डिमेंशिया इत्यादि हैं। नशे ने कइयों के घर उजाड़े हैं यह ज्यादातर सबसे युवा लोगों को अपनी पकड़ में लेता है। नशा व्यक्ति के सोचने-समझने की शक्ति समाप्त कर देता है और व्यक्ति को अपने वश में कर लेता है।

अल्जाइमर पढ़ने-लिखने वाले व्यक्ति के दिमाग को बहुत ज्यादा प्रभावित करता है।नशे की शुरूआत में हो सकता है कुछ बदलाव न हों परंतु आने वाले समय में भयंकर परिणाम ला सकता है।

जिन घरों में नशे का सेवन होता है वहां के लोग बच्चों को इस आदत को तोहफे में देते हैं। धूम्रपान के 2 तरीके होते हैं एक्टिव स्मोकिंग, पैसिव स्मोकिंग। एक्टिव जिसका सेवन सीधे तौर पर किया जाता है। पैसिव स्मोकिंग जिसका सेवन दूसरों के सेवन से जो धुआं हम अंदर लेते हैं वह होता है जो ज्यादा नुक्सानदेह होता है।

दिव्या वर्मा ने स्वयंसेवियों को बताया कि किस प्रकार से नशा निवारण केंद्र में रोगियों का उपचार किया जाता है। प्रो. मोनिका ने विद्यार्थियों और स्वयंसेवियों से आग्रह किया की यदि उनके आसपास कोई भी व्यक्ति नशे का सेवन करता हो तो इन सभी बीमारियों से मुक्ति व उसके सफल सुरक्षित जीवन के लिए मौहल स्थित नशा निवारण केंद्र में एडमिट करवाएं और सरकार द्वारा दी जा रही मुफ्त सुविधा का लाभ लें। समापन समारोह में प्रो. ज्योति बाला व प्रो. विकास कुमार उपस्थित रहे।

कुल्लू : शिविर के समापन के बाद संस्था के पदाधिकारी, कालेज प्राचार्य व छात्र सामूहिक चित्र में। (फूल)

कुल्लू वैली स्कूल में एन.एन.एस. शिविर शुरू

कुल्लू (स.ह.) : कुल्लू वैली स्कूल रामशिला में 14 फरवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का शुभारंभ हुआ, जिसका समापन 20 फरवरी को होगा। स्कूल के प्रधानाचार्य संजीव भारद्वाज ने विद्यार्थियों को एन.एस.एस. का महत्व बताया। कार्यक्रम प्रभारी विनोद शर्मा ने स्वयंसेवकों को आगामी 7 दिनों में होने वाली गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया।

हिमाचल दर्पण लाइव TV
जमीनी स्तर की आवाज
डिजिटल अखबार

नशा मुक्ति के संदेश के साथ हुआ एनएसएस के सात दिवसीय शिविर का समापन

कुल्लू (आशा डोगरा)। एनएसएस के सात दिवसीय शिविर का आज सफलतापूर्वक समापन किया गया। स्वयंसेवी उज्जवल ने मंच संचालन किया। प्रोग्राम ऑफिसर प्रो मोनिका ने रिहैब्लिस्टेशन सैंटर फॉर एडिक्ट 'गुंजन संस्था' मौहल के प्रोजेक्ट डायरेक्टर श्री संदीप मनहास व साइकोलॉजिस्ट एंड काउंसलर सुश्री दिव्या वर्मा का एनएसएस कैंप व बैज लगा कर स्वागत किया। रिहैब्लिस्टेशन सैंटर फॉर एडिक्ट "गुंजन संस्था" मौहल ने आज एनएसएस के सात दिवसीय शिविर के समापन समारोह में शिरकित की। एनएसएस स्वयंसेवियों के साथ ही वॉलेज एनसीसी व दूसरे लगभग 125 छात्र छात्राओं ने भाग लिया। संदीप ने बताया कि नशे को युवा हल्के में ना ले। नशे का जीवन में बहुत बुरे प्रभाव पड़ते है। नशे से कई बीमारियां होती है जिनमे मुख्य रूप से अल्जाइमर, डिमेंशिया इत्यादि है। नशे ने कईयों के घर उजाडे है। नशा ज्यादातर सबसे युवा लोगो को अपनी पकड़ में लेता है। भांग, कोकेन, चिट्टा इत्यादि से नशे के विभिन्न रूप है।नशे का एक कुप्रभाव याददाश खो जाना भी है। नशा व्यक्ति के सोचने समझने की शक्ति समाप्त कर देता है और व्यक्ति को अपने वश में कर लेता है। अल्जाइमर पढ़ने लिखने वाले व्यक्ति के दिमाग को बहुत ज्यादा प्रभावित करता है। नशे की शुरुआत में हो सकता है कुछ बदलाव न हो परंतु वो आने वाले समय में भयंकर परिणाम ला सकता है।

आगे उन्होंने बताया कि चिट्टा आज का अमूमन पाया जाने वाला नशे का पदार्थ बन गया है। ज्यादातर लोग इसका शिकार हो रहे है और अपनी जान तक गवां रहे है। उन्होंने बताया कि धूम्रपान के दो तरीके होते है एक्टिव स्मोकिंग, पैसिव स्मोकिंग। एक्टिव जिसका सेवन सीधे तौर पर किया जाता है। पैसिव स्मोकिंग जिसका सेवन दूसरों के सेवन से जो धुआं हम अंदर लेते है वो होता है जो ज्यादा नुकसानदेह होता है। साइकोलॉजिस्ट एंड काउंसलर सुश्री दिव्या वर्मा ने स्वयंसेवियों को बताया कि किस प्रकार से नशा निवारण केंद्र में रोगियों का उपचार किया जाता है। उन्होंने बताया कि इसके तीन चरण होते है सबसे पहले वह रोगी को डाइटॉक्सिफिकेशन करते है यानी विषाक्त पदार्थों को बाहर हटाने की प्रक्रिया। फिर रोगी की काउंसलिंग यानी व्यक्तिगत समस्याओं एवं कठिनाइयों को दूर करने के लिये दी जाने वाली सहायता, सलाह और मार्गदर्शन या परामर्श दिया जाता है। उसकी समस्याओं को सुना जाता है उसे समझाया जाता है। उसके पश्चात रोगी व्यक्ति के सम्पूर्ण परिवार की काउंसलिंग की जाती है। फैमिली काउंसलिंग में संपूर्ण परिवार को उस नशा पीड़ित व्यक्ति का साथ देने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। ताकि परिवार पुरानी बातें भूल कर उसको आगे सफल जीवन जीने के लिए प्रेरित करे। उसे पुराना समय याद न दिलाए या उसने हीन भावना न आने दे। कार्यक्रम अधिकारी प्रो. मोनिका ने संदीप व दिव्या को इतनी अहम जानकारी स्वयंसेवियों के मध्य रखने का धन्यवाद दिया । साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों और स्वयंसेवियों से आग्रह किया की यदि उनके आस पास कोई भी व्यक्ति नशे का सेवन करता हो तो इन सभी बीमारियों से मुक्ति व उसके सफल सुरक्षित जीवन के लिए मोहल में स्थित नशा निवारण केंद्र में एडमिट करवाए और सरकार के द्वारा दी जा रही मुफ्त सुविधा का लाभ ले। समापन समारोह में उन्होंने प्रो ज्योति बाला व प्रो विकास कुमार का विशेष रूप से धन्यवाद किया।